रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 25 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 239 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सभी खेल प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी ला रहे हैं पदक

● सीएम यादव बोले-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में खेल के क्षेत्र में हुई है नई क्रांति

भारत माता के जयकारे,आतिशबाजी,तिरंगे गुब्बारे छोड़कर हुई खेल महोत्सव की शुरुआत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में खेल के क्षेत्र में नई क्रांति हुई है। भारतीय खिलाड़ी और जवानों ने हर अवसर पर देश-प्रदेश का मान बढ़ाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वदेशी और खेल क्रांति के लिए फिट इंडिया मूवमेंट महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के लिए महत्वपूर्ण इन दोनों गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत जीवनशैली में बदलाव के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने भोजन में तेल कम करने और जीवन में खेल गतिविधियां बढ़ाने का सभी देशवासियों से आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल-सीहोर संसदीय क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को शासकीय सुभाष एक्सीलेंस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भारत माता की जय के नारों और आतिशबाजी के बीच आसमान में तिरंगे गुब्बारे छोड़कर सांसद खेल महोत्सव 2025 के शुभारंभ की विधिवत घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज आरंभ हो रहे सांसद खेल महोत्सव में 71 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने नामांकन कराया है, यह प्रदेश के विद्यार्थियों में खेल का लगाव है।

● **राज्य सरकार खेल, खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को कर रही है प्रोत्साहित-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरों और पंचायतों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, इसी का परिणाम है कि सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी पदक ला रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेल, खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को हर स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है। प्रशिक्षकों के प्रमोशन, वेतन की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स टीचर को कुलगुरु बनने तक का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मार्शल आर्ट के अंतर्गत मलखम्ब, जूडो, कुश्ती और ताइक्वांडो के खिलाड़ियों द्वारा दिए गए प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने स्काउट गाइड के दल और बैंड ग्रुप के प्रदर्शन की भी सराहा।

दो पत्नियों का हत्यारा निकला खंडवा में कब्र खोदने वाला

शक्ति बढ़ाने के लिए लाशों के बाल काटे, छेड़छाड़ की, अमावस्या पर करता था वारदात

भोपाल। खंडवा के बड़ा कब्रिस्तान में कब्रें खोदकर लाशों के साथ छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार हो गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से आरोपी तक पहुंची। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह तंत्र क्रिया के लिए लाशों के बाल काटता था। पुलिस ने उसके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का केस

दर्ज किया है और अब रासुका के तहत कार्रवाई की जा रही है। आरोपी अपनी दो पत्नियों की भी हत्या कर चुका है। बता दें, 21 सितंबर रविवार को बड़ा कब्रिस्तान में दो कब्रें खुली मिली थीं। इनमें से एक महिला की कब्र थी। परिजनों ने बताया कि शव के साथ छेड़छाड़ हुई है। शव के पैर वाले हिस्से से कपड़े हटे हुए थे। इससे पहले 19 मई को भी बड़ा कब्रिस्तान और सिहाड़ा कब्रिस्तान में छह कब्रों के साथ इसी तरह की घटना हुई थी। पुलिस ने कब्रिस्तान में 13 सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। 21 सितंबर के बाद फुटेज खंगाले गए तो एक संदिग्ध युवक नजर आया। आरोपी की पहचान अय्यूब खान के रूप में हुई है।

छात्राओं से छेड़छाड़ में फंस गए अब दिल्ली के 'बाबा'

● मैनेजमेंट कॉलेज में चल रहे 'गंदे खेल' का पर्दाफाश!

17 छात्राएं बोलीं-अश्लील मैसेज भेजे,जबरन छूता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के पूर्व चीफ स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपों का बुधवार को खुलासा हुआ। छात्राएं इंस्टीट्यूट में ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप के तहत पीजीडीएम (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) कर रही हैं। चैतन्यानंद पर उनसे गंदी बातें करने, अश्लील मैसेज भेजने और जबरन छूने का आरोप है। चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे 9 अगस्त को पद से हटाकर निष्कासित किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से चैतन्यानंद फरार है। पुलिस को यूपी के आगरा में उसकी लोकेशन मिली है। दिल्ली पुलिस ने शारदा इंस्टीट्यूट के बेसमेंट से चैतन्यानंद की एक वॉल्वो कार जब्त की है।

रेलवे कर्मचारियों को 1866 करोड़ दीवाली बोनस देगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को दिवाली पर बोनस देने का ऐलान किया। आज यानी 24 सितंबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के प्रोडक्टिविटी-लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी गई। इसके

लिए 1,866 करोड़ रुपए का बजट दिया गया, जिसका फायदा 10.91 लाख रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा। यह बोनस कर्मचारियों की 78 दिन की सैलरी के बराबर है, जिसे हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा-दशहरा की छुट्टियों से पहले नॉन गजेटेड रेलवे कर्मचारियों दिया जाएगा।

राहुल गांधी जल्द हाइड्रोजन-यूरेनियम बम फोड़ने वाले हैं

● जयराम रमेश बोले-अब बिहार में महागठबंधन सत्ता संभालेगा

कहा-सीडब्ल्यूसी की मीटिंग के बाद तेलंगाना में सरकार बनी

पटना (एजेंसी)। आजादी के बाद पहली बार 24 सितंबर को पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी नीतिश कुमार को मेंटली रिटायर्ड मान चुकी है। वो उन्हें बोझ मानती है। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ को लेकर एनडीए पर निशाना साधा। वोटर वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि, तेलंगाना में सितंबर 2023 में ऐसी ही मीटिंग हुई थी और 2 महीने के अंदर कांग्रेस की सरकार बनी थी। राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।

देश में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश

बिहार की ही तर्ज पर अब देशभर में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है। वोट चोरी का मतलब है- दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, अल्पसंख्यक, कमजोर और गरीब के राशन की चोरी, पेंशन चोरी, दवाई चोरी, बच्चों की स्कॉलरशिप और परीक्षा की चोरी। लोकतंत्र का आधार है- निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव, लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर कई खुलासे भी हुए हैं। श्रेष्ठ उन सवालों के जवाब देने के बजाय हमसे एफिडेविट मांग रहा है। 2 करोड़ नौकरियों का वादा अधूरा रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन योजना में सिंगल विंडो पोर्टल का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। आज सागर जिले के जैसीनगर में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन योजना में सिंगल विंडो पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को मीडिया को बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति-2025 लागू की गयी है। इस नीति के तहत राज्य के जिलों में पाईप लाईन बिछाकर उपभोक्ताओं को पीएनजी (पाईप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन प्रदाय किये जायेंगे। साथ ही वाहनों के लिए सीएनजी स्टेशन स्थापित किये जायेंगे, इससे घर-घर स्वच्छ और सस्ता ईधन उपलब्ध होगा। राज्य सरकार का लक्ष्य निवेशकों को आकर्षित करना और मध्य प्रदेश को भारत के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में स्थापित करना है।

सिंगल विंडो पोर्टल के लाभ

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के विकास के लिए सीएनजी स्टेशन संचालित करने के लिए एनओसी एवं पाईपलाईन बिछाये जाने हेतु (त्रह्र) अनुमति दिये जाने का प्रावधान है। इसी के लिए सिंगल विंडो पोर्टल का निर्माण किया गया है। जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार की अनुमतियां देने के लिए कलेक्टर को सिंगल विंडो पोर्टल के लिये अधिकृत किया गया है। आवेदक संस्था द्वारा सिंगल विंडो पोर्टल पर जिला कलेक्टर को आवेदन कर, निर्धारित समय-सीमा में एनओसी/अनुमति प्राप्त की जा सकेगी। एनओसी अधिकतम समय-सीमा 60 दिन एवं अनुमति प्राप्त करने के लिये अधिकतम 77 दिवस निर्धारित की गई है।

हितग्राही को लाभ

जिलों में पाईपलाईन के माध्यम से उपभोक्ताओं के घरों तक निर्वाध रूप से पीएनजी का प्रदाय किया जाता है। इससे उपभोक्ताओं के घरों में निर्वाध गैस की उपलब्धता बनी रहेगी। इसका उपयोग खाना पकाने एवं अन्य घरेलू कार्यों में किया जाता है, जो सस्ता एवं सुलभ है। बार-बार सिलेंडर बुक करने और रीफिलिंग की परेशानी नहीं होती है। पीएनजी का उपयोग सुरक्षित है क्योंकि यह हवा से हल्की होती है। अत- रिसाव होने पर यह ऊपर उठकर हवा में फैल जाती है, जिससे आग लगने का खतरा कम होता है। इसमें सेफ्टी फीचर होते हैं, जिससे सिलेण्डर ब्लास्ट होने जैसी घटना की संभावना नहीं है। सीएनजी आज के सबसे स्वच्छ ईंधन में से एक है। यह डीजल, पेट्रोल जैसे अन्य ईथनों की तुलना में बहुत कम वायु प्रदूषण करती है। इस नेटवर्क की स्थापना से जिले में भारी पूंजी निवेश द्वारा बुनियादी ढांचे का निर्माण के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होता है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में काले झंडे ले जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

बालाघाट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज बुधवार को बालाघाट के कटंगी में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों के खाते में बोनस ट्रांसफर करेंगे। उससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध में काली झंडे लेकर कार्यक्रम स्थल पर जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने पहले ही कांग्रेसियों को वारासिवनी-कटंगी मुख्य मार्ग पर रास्ते में ही जाम नाले के समीप रोक लिया। जिसके बाद कांग्रेसियों उसी स्थान पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे जामनाला के पास जाम जैसी स्थिति हो गई है। पुलिस काग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने नहीं दे रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री से मिलकर विरोध दर्ज कराने चाहते हैं। कांग्रेसियों के साथ बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद हैं। कांग्रेसियों का कहना है कि भाजपा की प्रदेश के अलावा केंद्र में भी सरकार है। इसके बाद भी किसानों व लाडली बहनों के साथ वादाखिलाफी की जा रही है। वारासिवनी विधायक विवेक पटेल ने कहा कि दुख की बात है कि मुख्यमंत्री से मिलने किसानों को रोका जा रहा है, जबकि हम शांति से मिलकर अपनी बात रखने वाले थे। दुर्भाग्य है कि भाजपा सरकार मौलिक अधिकारों को छीनकर आवाज दबाना चाहती है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संजय उईके ने बताया कि सरकार हेक्टेयर पर बोनस नहीं, बल्कि किसानों से किए गए वादों को पूरा कर धान का का समर्थन मूल्य 3100 और गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये करे। इसके अलावा, महिलाओं से किया गया वादा पूरा करें। अध्यक्ष ने बताया कि किसानों के साथ कांग्रेस, सीएम का विरोध करेगी। इसके लिए कांग्रेसी काला गमछा लेकर निकले हैं।

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर की उपस्थिति में प्राकृतिक खेती विषय पर पाँच दिवसीय कृषक सखी का प्रशिक्षण का समापन हुआ

धार (निप्र)। कृषि विज्ञान केन्द्र मनावर में प्राकृतिक खेती विषय पर पाँच दिवसीय कृषि सखी का प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन के मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर की उपस्थिति रही । कार्यक्रम में श्रीमती ठाकुर ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती को बढावा देने की बात कही। उन्होने कहाँ कि खेती मे अत्यधिक मात्रा में रासायनिक खाद एवं कीटनाशक दवाईयों का उपयोग होने से मानव स्वास्थ पर अत्यधिक हानिकारक प्रभाव देखने को मिल रहा है। उन्होने उदाहरण देते हुये कहाँ कि वहा पर रासायनिक खादो के अत्यधिक उपयोग से केन्सर के मरिजों कि संख्या बड़ती जा रही है , अतः इस रोकने के लिए एक मात्र उपाय प्राकृतिक खेती है। उन्होंने समस्त कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अगले चरण मे श्री चंचल पाटीदार ने भी कृषक सखियों को सम्बोधित किया एवं कहाँ कि रासायनिक खादो के उपयोग से धरती माता का स्वास्थ खराब हो रहा है। अतः धरती माता के स्वास्थ को सुधारने की आवश्यकता है। जिसका एक मात्र उपाय प्राकृतिक खेती है। उन्होने कृषक सखियों से आव्हान किया कि वह अपने खेती मे भी प्राकृतिक खेती करे । कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.ए.एल.बसेडीया ने कार्यक्रम रूपरेखा से अवगत कराया एवं इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मे किये गये कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उप संचालक कृषि श्री ज्ञानसिंह महोनीया द्वारा प्राकृतिक खेती को जिले में विस्तार हेतु कार्य योजना के बारे में बताते हुए कहा कि जिले में कृषि सखियों के दो प्रशिक्षण आयोजित किये जा चुके है।

7 साल की बच्ची से सगे चाचा ने किया रेप

श्योपुर (नप्र)। श्योपुर कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को 25 साल के सगे चाचा ने सात साल की भतीजी के साथ रेप किया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

कोतवाली टीआई सतीश सिंह चौहान ने बताया कि आज सुबह करीब 10:30 बजे बच्ची अपने घर में अकेली थी। मौका पाकर उसका चाचा घर में घुस गया और दरवाजा बंद करके बालिका के साथ दुष्कर्म किया। इस घटना का पता तब चला जब दुकान पर सामान लेने गई बालिका की मां वापस लौटी। घर का दरवाजा अंदर से बंद होने पर जब मां ने खिड़की से झांककर देखा तो देवर बच्ची के साथ गलत काम कर रहा था। पीड़िता की मां के शोर मचाने पर आरोपी चाचा मौके से भाग निकला। पीड़िता की मां तुरंत बालिका को लेकर कोतवाली थाने पहुंचीं। जिसके बाद केस दर्ज करने की कार्रवाई की गई।

वॉश ऑन व्हील्स नवाचार ने रचा स्वच्छता का इतिहास

छिंदवाड़ा। स्वच्छता के क्षेत्र में इतिहास रच दिया है। जिला पंचायत छिंदवाड़ा को अपने अभिनव वॉश ऑन व्हील्स नवाचार के लिए देश का सबसे प्रतिष्ठित इंडिया सेनीटेशन कोएलिशन फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 प्रदान किया गया है। यह सम्मान सतत रखरखाव एवं सामुदायिक प्रबंधन श्रेणी में मिला, जिसने पूरे देश में जिले का नाम रोशन कर दिया है। मंगलवार को दिल्ली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में यह पुरस्कार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अग्रिम कुमार ने प्राप्त किया है। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह और जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के नेतृत्व तथा जिला पंचायत के स्वच्छ भारत मिशन के जिला परियोजना अधिकारी सुधीर कृषक और उनकी टीम तथा सभी जनपदों के अथक प्रयासों से यह उपलब्धि संभव हुई है। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार पाने वाला छिंदवाड़ा देश का पहला जिला स्तरीय संगठन है, जिसे 2.5 लाख रुपए के कैश प्राइज के साथ राष्ट्रीय गौरव हासिल हुआ है। इस पुरस्कार का विशेष प्रायोजन रेकिट (डेटॉल और हार्पिक निर्माताओं) द्वारा किया गया।फिक्की पुरस्कार के लिए नामांकन के दौरान, 11 जून 2025 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी अग्रिम कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यकारी निर्णायक समिति के समक्ष नवाचार की प्रस्तुति दी थी। छिंदवाड़ा के वॉश ऑन व्हील्स नवाचार ने ग्रामीण अंचलों में शौचालयों की सफाई और देखभाल की समस्या का अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है। मोबाइल इकाईयों के माध्यम से गांव-गांव जाकर शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया गया, जिससे स्थायी स्वच्छता और सामुदायिक सहभागिता की मिसाल बनी। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा जिले के वॉश ऑन व्हील्स नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सराहना मिल रही है और इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है। इस सेवा में संलग्न 45 स्वच्छता साथियों ने अभी तक 40 हजार शौचालय इकाईयों की सफाई कर लगभग 40 लाख रुपये की आय अर्जित की है। इस नवाचार की उल्लेखनीय उपलब्धियों में यह भी शामिल है कि भोपाल के जंबूरी मैदान में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे खुले मन से सराहा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अकॉलैड्स जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिका में भी स्थान मिला है। यह दर्शाता है कि छिंदवाड़ा का यह नवाचार पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। निःसंदेह, यह उपलब्धि जिले के स्वच्छता इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। जिसके लिए कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार और स्वच्छ भारत मिशन की पूरी टीम को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी है।

एयरपोर्ट पर यात्री की पैंट में घुसा चूहा, काटा

● भोपाल के पैसेंजर को नहीं मिली मेडिकल फैसिलिटी, बेंगलुरु में लगवाया रेबीज का इंजेक्शन

भोपाल/इंदौर (नप्र)। इंदौर एयरपोर्ट पर यात्री की पेंट में चूहा घुस गया। उसने यात्री को काट भी लिया। यात्री को एयरपोर्ट पर कोई मेडिकल फैसिलिटी नहीं मिली। उसने बेंगलुरु पहुंचने पर इंजेक्शन लगवाया। मामला मंगलवार का है। इंदौर एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भोपाल के रहने वाले अरुण मोदी इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई 6739 से बेंगलुरु जा रहे थे। उनकी पत्नी साथ थीं। फ्लाइट दोपहर 3 बजकर 5 मिनट उड़ान भरती है। मोदी दंपती दोपहर करीब 1 बजे एयरपोर्ट पहुंचे। फ्लाइट में समय बाकी होने के कारण वे एयरपोर्ट के ग्राउंड फ्लोर पर डिपार्चर हॉल में इंतजार कर रहे थे। अरुण रिकलाइनर्स

पर आराम करने के लिए बैठे थे। इसी दौरान एक चूहा उनकी पैंट में घुस गया।

पैंट उतारकर पकड़ा चूहा- अरुण हड़बड़ाकर उठे। उन्होंने बाहर से ही चूहे को पकड़ा। इस पर चूहे ने उन्हें घुटने के पीछे काट लिया। उन्होंने पैंट उतारी और चूहे को पकड़ा। घटना से गुस्साए मोदी दंपती चिल्लाने लगे। शोर सुनकर एयरपोर्ट स्टाफ वहां पहुंचा। अरुण को मेडिकल रूम में ले गया। इंदौर एयरपोर्ट पर यात्री कई बार चूहों को लेकर शिकायत कर चुके हैं।

टिटनेस का इंजेक्शन भी बड़ी मुश्किल से लगाया

अरुण ने कहा- मैंने एयरपोर्ट के मेडिकल रूम में स्टाफ से टिटनेस का इंजेक्शन लगाने को कहा तो उन्होंने वो भी न होने की बात कही। नाराजगी जाहिर करने के बाद एयरपोर्ट मैनेजर ने दखल दिया। तब जाकर स्टाफ ने टिटनेस का इंजेक्शन लगाया।

पहले भी चूहों की शिकायत हो चुकी

इंदौर एयरपोर्ट पर इससे पहले भी चूहों को लेकर यात्री कई बार शिकायत कर चुके हैं। कुछ समय पहले एक यात्री ने टर्मिनल में फूड काउंटर्स के पास चूहों को दौड़ते देख उनका वीडियो बनाकर शेयर किया था। एयरपोर्ट पर मच्छर, कॉकरोच और आवारा कुत्तों की शिकायत भी की जा चुकी हैं।

तीन दिन पहले भी एक यात्री ने एयरपोर्ट के वॉशरूम में गंदगी के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। जिसके जवाब में एयरपोर्ट प्रबंधन ने तुरंत सफाई करवाई थी। यहां बता दें कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती को देखते हुए एयरपोर्ट पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा चलाया जा रहा है।

रणजीत टाइम्स

मां की भव्य आराधना

परिश्रम गरबा महोत्सव में हुआ भव्य आयोजन

राजेश धाकड़

इंदौर। वार्ड क्रमांक 35 लसूडिया मोरी में परिश्रम गरबा महोत्सव के तहत मां की भव्य आराधना और सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय पार्षद राकेश सोलंकी ने बताया कि यह आयोजन माननीय जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट जी के संरक्षण में किया जा रहा है। नवरात्रि पर्व के अवसर पर नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। नन्हीं-मुन्नी बालिकाओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। गरबा करने वाली बालिकाओं ने ही शिव, गणेश और पार्वती की झांकी प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने खूब सराहा।, और मां की आराधना के साथ नौ दिन तक भोजन प्रसादी का भी भव्य आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम

की विशेषता रही कि आज बालिकाओं ने सुरक्षा का संदेश देते हुए तलवार के साथ गरबा कर सभी को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। आगामी कार्यक्रमों में रामायण ऑपरेशन, सिंदूर, स्वच्छता मिशन पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मनोज परमार ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए लव जिहाद जैसी सामाजिक समस्या से सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की व्यवस्था में रितेश बानोदिया, मोहन जी, किशोर वाडिया, ऋतिक सोलंकी, अनीता सोलंकी, सुनीता सिंधिया, रचना सोलंकी, पंडित वेद प्रकाश जी, टोनी सोलंकी और दलजीत सिंह सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। भव्य आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं वार्डवासी उपस्थित रहे और सभी ने आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की।

115 किलोमीटर की पंच कोशी यात्रा 3 अक्टूबर से होगी शुरू

संजय प्रेम जोशी

इंदौर। विगत 36 वर्षों से क्षेत्र से जुड़ी नर्मदा पंच कोशी यात्रा नर्मदा मंदिर पिपरी से शुरू होकर पांच दिवस में 115 किलोमीटर का सफर तय करके इसी स्थान पर समापन होगी। प्राप्त जानकारी अनुसार पूर्व में डॉक्टर रविंद्र भारती चौरे द्वारा

आरंभ की गई यह यात्रा लगातार 37 वे वर्ष में प्रवेश कर रही है। शुक्रवार 3 सितंबर को प्राचीन शिव मंदिर में मां नर्मदा का पूजन करते हुए सीता माता मंदिर दर्शन करते हुए रतनपुर मार्ग से जयंती माता मंदिर में प्रथम दिवस विश्राम करेगी अगले दिन 4 सितंबर शनिवार को जयंती माता मंदिर परिसर से वनखंडी हनुमान मंदिर होते हुए पामाखेड़ी में रात्रि विश्राम होगा अगले दिन रविवार 5 सितंबर को पामाखेडी से आरंभ होकर कालदेव होते हुए नर्मदा नगर में यात्रा का विश्राम रहेगा अगले दिन 6 सितंबर सोमवार को नर्मदा नगर से यात्रा फिर से आरंभ होकर पूर्णेश्वर महादेव मंदिर कालसन माता मंदिर रेकलिया से दक्षिण धारा जी पहुंचेगी वहां से नाव द्वारा इस पार आकर धारा जी में विश्राम रहेगा अगले दिन मंगलवार को धारा जी उत्तर से यात्रा आरंभ होगी देवझिरी होते हुए पिपरी में मां नर्मदा मंदिर और औकार ध्वज पूजन करते हुए यात्रा का समापन होगा। यात्रा के दौरान प्रतिदिन सुबह शाम भोजन की व्यवस्था समिति द्वारा रहेगी कुछ आवश्यक सामग्री श्रद्धालु अपने साथ रखेंगे इस दौरान जयंती माता मंदिर में खारी नदी पर वर्तमान में पुल नहीं होने से और नाव की व्यवस्था भी नहीं होने से यह यात्री अत्यधिक पानी में पैदल ही इस मार्ग को पार करेंगे यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है। कि समय रहते लकड़ी का पुल वहां पर निर्मित हो जाए तो श्रद्धालुओं को सुविधा रहेगी आगे की यात्रा पैदल पार करते हुए नर्मदा के दक्षिणी छोर पर पहुंचने के बाद नव द्वारा उत्तर छोर पर लाने ले जाने की व्यवस्था समिति द्वारा रहेगी इस दौरान पुलिस प्रशासन से भी समिति द्वारा अपील की गई कि वह सुरक्षा की दृष्टि से धारा जी के इस पर उपस्थित रहे। सभी पद यात्रियों का समापन 7 सितंबर मंगलवार को दोपहर 12बजे नर्मदा मंदिर परिसर पिपरी में पूजन पाठ के साथ होगा।

अलग-अलग पड़ाव पर अलग-अलग व्यवस्था रहेगी दिलीप चौहान नवलपुर गोपाल यादव दयालपुरा मनोज जोशी बोराव घनश्याम यादव रेक्लिया गिरधर गुप्ता पिपरी में व्यवस्था संभालेंगे।

दिन दयाल अधिमान्य पत्रकार संघ द्वारा सर्व पितृ अममावश्या पर लावारिस म्रतक लोगों का पिंड दान तर्पण कर भंडारे का आयोजन किया गया

संजय प्रेम जोशी

माँ नर्मदा जी की नगरी मोटका बड़वाह खेड़ी घाट एक पवित्र और धार्मिक स्थल है, जो नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। यह स्थान मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में आता है और यहाँ पर नर्मदा नदी के खेड़ी घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है, खासकर सर्वो पितृ अमावस्या पर दीनदयाल अधिमनीय पत्रकार संघ की पूरी टीम और और समाजसेवियों के सहयोग से लावारिस लोग और समाज सेवी लोगों के लिए पिंडदान और तर्पण और भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें दोपहर में भोजन प्रसादी का वितरण किया जाता है

मोटका बड़वाह खेड़ी घाट की विशेषताएंः

- नर्मदा नदी का पवित्र तटः खेड़ी घाट पर नर्मदा नदी का पानी पवित्र माना जाता है और लोग यहाँ स्नान करने और पूजा करने आते हैं।

- धार्मिक महत्वः नर्मदा नदी को हिंदू धर्म में एक पवित्र नदी माना जाता है, जो जीवन और मोक्ष का स्रोत है नर्मदा जयंती और पूजा विधिः नर्मदा जयंती के दिन, लोग नर्मदा नदी में स्नान करते हैं और माँ नर्मदा की पूजा करते हैं। पूजा विधि में शामिल होते है इस अवसर पर दीनदयाल अधिमान्य पत्रकार संघ अध्यक्ष शाहिद खान महासचिव करीम खान उपाध्यक्ष राहुल शर्मा संदीप बिड़वाल नितेंद्र वर्मा दिनेश ठाकुर रिंकु पंडीत अरुण कौसर वृंदावन आश्रम के संस्थापक नरेंद्र सिंह पंवार खेड़ी घाट, सुरेंद्र सिंह जी बहादुर सिंह जी प्रदीप पटेल श्याम सिंह नारायण सिंह पवार दिलीप सिंह सिसोदिया जितेंद्र पटेल विश्वास गुप्ता खंडवा भारत पटेल मेवा लाल जी पटेल दोलत सिंह पटेल जितेन पटेल अध्यक्ष त्रिलोक चंद आदि मौजूद थे।

थाना बनगंगा मे पकड़ाया नकली नोट का गिरोह

इंदौर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहां जाने वाला शहर इंदौर शहर निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है इंदौर शहर को कुछ लोग गंदा करने के लिए भी शहर आकर उल्टा सीधा व्यापार करने लगते हैं लेकिन हमारे शहर के पुलिस अधिकारी ऐसा नहीं होने देते हैं थाना बाणगंगा प्रभारी सियाराम सिंह गुर्जर जी के द्वारा 200 रुपए के नकली नोट गिरोह का भांडा फोड़ किया चार आरोपियों के द्वारा शहर में 200 रुपए के नकली नोट चलाने की फिराक से इधर-उधर घूम रहे थे कुछ एक नोट उन्होंने चलाई भी लेकिन इसकी सूचना जब थाना प्रभारी जी को लगी तो उन्होंने तुरंत एक टीम का गठन किया और अपनी पुलिस फोर्स को तुरंत चारों अपराधियों की तलाश में भेज दिया वहीं थाना बाणगंगा की पुलिस

फोर्स के द्वारा कुछ ही समय में चारों अपराधियों को पकड़ लिया जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि हम नकली नोट लेकर आए हैं अपराधियों ने बताया कि हमें थोड़ा ही समय हुआ है हमसे पहली बार गलती हुई है आरोपी 1. यशराज मीणा पिता अजमल मीणा उम्र 21 साल निवासी ग्राम बम्मनगांव थाना छनेरा जिला खंडवा 2.सौरभ पिता रामचंद्र देशवाली उम्र 24 साल निवासी दीप गांव थाना सिराली जिला हरदा 3. हेमंत कुशवाह पिता बाबूलाल कुशवाहा उम्र 19 साल निवासी न्यू गोरी नगर खाती धर्मशाला की साइट वाली गली थाना हीरानगर स्थाई पता ग्राम नारेनी जिला रीवा 4. शुभम मीणा पिता सुरेश मीणा उम्र 20 साल निवासी ग्राम डाबरी थाना मूंदी जिला खंडवा।

गरीबी और अशिक्षा का आंकड़ा डिजिटल निरक्षरता का एक बड़ा कारण

डिजिटल शासन के तीन मुख्य क्षेत्रों में प्रत्येक नागरिकों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा, शासन और मांग आधारित सेवाएं तथा नागरिकों का डिजिटल सशक्तीकरण शामिल है। ई-शासन से सरकारी कार्यों में दक्षता बढ़ती है, जबकि एक स्तंभ के रूप में इसमें लोग, प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और संसाधन शुमार होते हैं। गौरतलब है कि डिजिटल इंडिया भारत को सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में बदलने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसमें जनता और सरकार के बीच संवाद को मजबूती मिलने के साथ ही व्यवसाय और नए अवसरों का सृजन भी शामिल था। सुशासन लोक सशक्तीकरण का पर्याय है जबकि सरकारी योजनाएं लगभग आठ दशक से ऐसे ही सशक्तीकरण की खोज में है। ई-शासन इस दिशा में एक ऐसा उपकरण है जो योजनाओं को पारदर्शी तरीके से जनता तक परोसता है।

गोपाल गावंडे » रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक

विमुद्रीकरण के बाद से ही भारत सरकार डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। इस क्रम में डिजिटल इंडिया और ई-शासन जैसे अभियान में तेजी लाई गई। वर्ष 2024-25 तक पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि यह आंकड़ा मौजूदा समय में मुश्किल से चार ट्रिलियन डालर के इर्द-गिर्द है। भारत डिजिटल सेवा क्षेत्र में बढ़ रहे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए एक आदर्श गंतव्य माना जाता रहा है। गौरतलब है कि यहां कुछ क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर विशिष्ट सीमाएं और प्रतिबंध हैं। उदाहरण के लिए विनिर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सौ फीसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति है। जबकि डिजिटल क्षेत्र में छब्बीस फीसद तक एफडीआइ की अनुमति है, जो उच्च मांग के कारण तेजी से बढ़ रहा है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय आय में 11.74 फीसद का योगदान दिया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ), क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति से वर्ष 2024-25 तक यह योगदान बढ़ कर 13.42 फीसद हो जाने का अनुमान है। डिजिटलीकरण के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और 2030 तक, डिजिटल अर्थव्यवस्था द्वारा कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग पांचवें हिस्से के योगदान का अनुमान है।

इसकी सबसे बड़ी वजह जनसंख्या है, जिसमें नवउद्यम की भरपूर संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में निजी और सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप प्रदान किया गया। मगर भारत में गरीबी और अशिक्षा का आंकड़ा डिजिटल निरक्षरता का एक बड़ा कारण है। गौरतलब है कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में हर पांचवां व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है, जबकि हर चौथा नागरिक अशिक्षित है। किसी के पास मोबाइल होना डिजिटल होने का प्रमाण नहीं है, जब तक कि उसके पास इंटरनेट संपर्क आदि की सुविधा और जानकारी न हो।

एसोचैम की एक रपट से पता चलता है कि नीतियों में अस्पष्टता और ढांचागत कठिनाइयों के कारण महत्त्वाकांक्षी डिजिटल परियोजना के सफल कार्यान्वयन में अनेक चुनौतियां हैं, जिनमें बार-बार नेटवर्क संपर्क का टूट जाना भी है। 'कनेक्ट इंडिया' मिशन के तहत राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति- 2018 ने एक मजबूत डिजिटल संचार बुनियादी ढांचे के निर्माण के उद्देश्य से वर्ष 2022 तक एक करोड़ सार्वजनिक 'वाई-फाई हाटस्पाट' लगाए जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके अलावा, 'भारत 6जी विजन' के तहत वर्ष 2022 तक एक करोड़ और 2030 तक पांच करोड़ सार्वजनिक 'वाई-फाई हाटस्पाट' बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। हालांकि, वर्तमान में 'पीएम-वाणी हाटस्पाट' का आंकड़ा 'भारत 6जी विजन' दस्तावेज में परिकल्पित लक्षित आंकड़े से बहुत पीछे है।

भारत का मौजूदा सूचना प्रौद्योगिकी कानून साइबर अपराधों को रोकने के लिहाज से बहुत प्रभावी नहीं। एटीएम कार्ड की क्लोनिंग और बैंक खाते में सेंध आदि की शिकायतें बढ़ गई हैं। बरसों पहले कहा गया था कि भारत में जैसे-जैसे डिजिटलीकरण बढ़ता जाएगा, वैसे-वैसे विशेषज्ञों की संख्या भी बढ़ानी होगी। हालांकि राष्ट्रीय

डिजिटल साक्षरता मिशन की शुरूआत वर्ष 2020 तक भारत के प्रत्येक घर में कम से कम एक व्यक्ति को डिजिटल साक्षर बनाने के लिए गई थी। देश में लगभग अड़तीस फीसद परिवार डिजिटल साक्षर हैं। हालांकि, केंद्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के अनुसार, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता दर में काफी भिन्नता है, शहरी क्षेत्रों में यह दर इकसठ फीसद, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह पच्चीस फीसद है।

गौरतलब है कि दस वर्ष पहले भारत ने डिजिटल इंडिया मिशन की शुरूआत की थी, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना था। वर्ष 2014 में टेलीफोन कनेक्शन 93.3 करोड़ से बढ़ कर 2025 में 120 करोड़ से अधिक हो गए। जहां पहले संचार-घनत्व 75.23 फीसद था, वहीं 2024 तक यह बढ़ कर 84.49 फीसद हो गया। शहरी कनेक्शन 55.5 करोड़ से बढ़ कर 66 करोड़ दस लाख हो गए। जबकि ग्रामीण कनेक्शन 37.7 करोड़ से बढ़ कर 52.7 करोड़ हो गए। इतना ही नहीं मोबाइल ग्राहकों की संख्या 116 करोड़ तक पहुंच गई। इंटरनेट कनेक्शन 96.96 करोड़ हो गए हैं, जो पिछले दस वर्ष की तुलना में बहुत बड़ी वृद्धि है। जब देश में ई-शासन की बात होती है, तो नए प्रारूप और एकल खिड़की संस्कृति मुखर हो जाती है। नागरिक केंद्रित व्यवस्था के लिए सुशासन की लंबे समय से दरकार रही है। ऐसे में ई-शासन इसका बड़ा आधार है।

ई-शासन की रूपरेखा पांच दशक पुरानी है। हालांकि उस दौर में शासन डिजिटल तो नहीं था, लेकिन इलेक्ट्रानिक विधा के अंतर्गत आधारभूत व्यवस्था को सुसज्जित करने का प्रयास हो रहा था। गौरतलब है कि इलेक्ट्रानिक विभाग की स्थापना 1970 में हुई थी। जबकि 1977 में राष्ट्रीय सूचना केंद्र के साथ ई-शासन की दिशा में कदम उठाया गया था। ई-शासन को बढ़ावा देने की दिशा में 1987 में शुरू हुआ राष्ट्रीय उपग्रह आधारित कंप्यूटर नेटवर्क क्रांतिकारी कदम था, जिसका मुखर रूप 1991 के उदारीकरण के बाद सामने आया। वर्ष 2006 में राष्ट्रीय ई-शासन योजना लाए जाने के बाद ई-शासन व्यापक रूप में सामने आया और इसी कड़ी में एक जनवरी 2015 को डिजिटल इंडिया की अवधारणा को जमीन पर उतार कर आमजन के जीवन को सूचना तकनीक के माध्यम से बेहतर बनाने का जो प्रयास किया गया, उससे देश डिजिटलीकरण की ओर तेजी से बढ़ा।

डिजिटल शासन के तीन मुख्य क्षेत्रों में प्रत्येक नागरिकों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा, शासन और मांग आधारित सेवाएं तथा नागरिकों का डिजिटल सशक्तीकरण शामिल है। ई-शासन से सरकारी कार्यों में दक्षता बढ़ती है, जबकि एक स्तंभ के रूप में इसमें लोग, प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और संसाधन शुमार होते हैं। गौरतलब है कि डिजिटल इंडिया भारत को सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में बदलने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसमें जनता और सरकार के बीच संवाद को मजबूती मिलने के साथ ही व्यवसाय और नए अवसरों का सृजन भी शामिल था।

सुशासन लोक सशक्तीकरण का पर्याय है जबकि सरकारी योजनाएं लगभग आठ दशक से ऐसे ही सशक्तीकरण की खोज में है। ई-शासन इस दिशा में एक ऐसा उपकरण है जो योजनाओं को पारदर्शी तरीके से जनता तक परोसता है।

भ्रष्टाचार और पारदर्शिता एक दूसरे के विपरीत शब्द हैं। ई-शासन पारदर्शिता का एक अच्छा माध्यम है। बावजूद इसके भारत में डिजिटल शासन के सामने कई चुनौतियां हैं। गौरतलब है कि ई-शासन के लिए किए जाने वाले उपाय महंगे हैं और इनकी अवसंरचना में बिजली, इंटरनेट, डिजिटल उपकरण आदि बुनियादी सुविधाओं का यदि अभाव बना रहता है, तो चुनौतियां बरकरार रहेंगी। सरकार के सभी कार्यों में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ई-गवर्नेंस कहलाता है। किसानों के खाते में सम्मान निधि का हस्तांतरण डिजिटल शासन का ही उदाहरण है। ई-लर्निंग, ई-बैंकिंग, ई-टिकटिंग और ई-सुविधा आदि शासन को सुशासन की ओर ले जाते हैं। देश में करीब साढ़े छह लाख गांव और ढाई लाख पंचायतें हैं, जहां बिजली और इंटरनेट संपर्क एक आम समस्या है। सवाल यह है कि शहर हो या गांव, ई-शासन की सभी को आवश्यकता है और यह इंटरनेट पर निर्भर है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग-

भारत चारों कैटेगरी में टॉप पर बरकरार

लगातार दूसरे हफ्ते इंडिया टॉप टीम

- अभिषेक बैटर, वरुण बॉलर्स, हार्दिक ऑलराउंडर्स में नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में लगातार दूसरे हफ्ते भी बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर बरकरार हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर मौजूद है।

पिछले सप्ताह ही सभी चारों कैटेगरी में भारत का दबदबा बना था। ऐसा पहली बार हुआ कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया।

वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बने हुए हैं। बैटर अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर बरकरार - बैटर्स में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज के मुकाबले में 38 और रविवार को पाकिस्तान के 74 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा, तिलक वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुच गए हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	907
2	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	844
3	तिलक वर्मा	भारत	791
4	जोस बटलर	इंग्लैंड	785
5	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	771
6	सूर्यकुमार यादव	भारत	729
7	पाथुम निसांका	श्रीलंका	728
8	टिम साइफर्ट	न्यूजीलैंड	725
9	टिम डेविड	ऑस्ट्रेलिया	676
10	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	674

टी-20 ऑलराउंडर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	हार्दिक पंड्या	भारत	238
2	मोहम्मद नबी	अफगानिस्तान	231
3	सिकंदर रजा	जिम्बाब्वे	212
4	दीपेंद्र सिंह ऐरी	नेपाल	209
5	सईम अयूब	पाकिस्तान	201
6	रोस्टन चेज	वेस्टइंडीज	196
7	वनिंदू हसरंगा	श्रीलंका	190
8	रोमारियो शेफर्ड	वेस्टइंडीज	183
9	लियम लिविंगस्टन	इंग्लैंड	181
10	मार्कस स्टोयनिस	ऑस्ट्रेलिया	179

वरुण चक्रवर्ती टॉप बॉलर

बॉलर्स रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती टॉप पर बने हुए हैं। 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन जारी है। फिलहाल उनका रेटिंग पॉइंट 747 हो गया है। वरुण ने पिछले सप्ताह ही नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के जैकब डफी हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान छह स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में वापस आ गए हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप में अपने पिछले दो मैचों में छह विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पंड्या पहले नंबर पर

भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद 12 स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिलहाल उनकी रेटिंग पॉइंट्स 703 है।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लिया

पीठ की समस्या और दबाव के कारण फैसला लिया, अब वनडे-टी-20 पर फोकस करेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को सूचित किया है कि वह अब लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं।यह फैसला उन्होंने लखनऊ में चल रहे इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मैच से हटने के दो दिन बाद लिया। दो महीने के बाद 31 साल के होने वाले अय्यर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर अपनी परेशानी बताई। अय्यर ने कहा कि उनके लिए लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का दबाव झेलना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पीठ में तकलीफ महसूस हो रही है। इसी कारण उन्होंने इंडिया-ए के मैच से नाम वापस ले लिया।

अय्यर टी-20 और वनडे पर कर सकेंगे फोकस

अय्यर का यह फैसला उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। अब वह वनडे और टी-20 क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, पीठ की समस्या को ठीक करने के लिए वह रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर भी काम कर सकते हैं।

टेस्ट टीम चयन से पहले बड़ा कदम

चयनकर्ता 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैचों की वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 24 सितंबर को टीम चुनने वाले हैं। माना जा रहा था कि सिलेक्टर्स अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का मौका दे सकते हैं। अय्यर फरवरी 2024 से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। लेकिन उनके इस फैसले के बाद अब यह संभावना खत्म हो गई है।

टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का प्रदर्शन

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 से टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं की है। उन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनकी एकमात्र शतकीय पारी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में डेब्यू टेस्ट में आई थी।

हाल ही में दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने निराश किया, जहां उन्होंने 25 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंडिया-ए के लिए पिछले हफ्ते वह सिर्फ 8 रन ही बना सके। हालांकि, पिछले घरेलू फर्स्ट क्लास सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने उन्हें इंडिया-ए का कप्तान बनाया था।

अंपायर डिकी बर्ड का 92 साल की उम्र में निधन

तीन वर्ल्ड कप फाइनल में अंपायर रहे

लंदन (एजेंसी)। दिग्गज अंपायर डिकी बर्ड का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। इंग्लैंड की यॉर्कशायर काउंटी ने इसकी जानकारी दी। क्लब ने एक बयान जारी कर बताया-क्रिकेट की सबसे चहेते चेहरों में से एक आज हमारे बीच नहीं रहे। डिकी बर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर अंपायर खूब सफलता प्राप्त की। उनका नाम क्रिकेट इतिहास में सबसे लोकप्रिय मैच ऑफिशियल के रूप में याद रखा जाएगा। हेराल्ड डेनिस बर्ड उर्फ डिकी बर्ड का जन्म 19 अप्रैल 1933 को बानस्ली में हुआ। उन्होंने अपना पूरा जीवन क्रिकेट को समर्पित कर दिया। उन्होंने क्रिकेट की दीवानगी के चलते कभी शादी भी नहीं की। डिकी ने इंग्लैंड में यॉर्कशायर और लीसेस्टरशायर क्लब के लिए क्रिकेट खेला, लेकिन उन्हें बतौर अंपायर ज्यादा पहचान मिली। वे भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत के गवाह भी बने।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

बेन स्टोक्स कप्तान और हैरी ब्रुक उपकप्तान चुने गए, 6 फास्ट बॉलर्स को मौका

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड को 21 नवंबर से 8 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। ओली पोप से उपकप्तानी छीन ली गई है। उनकी जगह युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को यह जिम्मेदारी दी गई है। भारत के खिलाफ जुलाई-अगस्त में हुई सीरीज में ओली पोप उपकप्तान थे। हालांकि, पोप 16 मेंबर्स वाली टीम में अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड में होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज के लिए भी इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड जाएगी। वहां 18 अक्टूबर से नवंबर तक इंग्लैंड को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं।

- **न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, सोनी बेकर, टॉम बैंटॉन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्राउली, सैम करन, लियाम डाउसन, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, फिल साल्ट और ल्यूक वुड।
- **न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटॉन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम डाउसन, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, जो रूट, जेमी स्मिथ और ल्यूक वुड।
- **एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक (उपकप्तान), ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और मार्क वुड।

अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है।

विदेश में एमबीबीएस करने से पहले करें बजट प्लानिंग

जागरुकता की कमी के चलते लाखों की संख्या में ऐसे नीट अभ्यर्थी होते हैं, जो 500 या इससे कम स्कोर लाते हैं। इसके बाद भी वह काउंसिलिंग के लास्ट राउंड तक सीट मिलने का वेट करते हैं। लेकिन अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में करीब 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है। ऐसे में आप बिना देर किए बेहतर विदेशी यूनिवर्सिटी चुनकर एमबीबीएस सीट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको विदेश से एमबीबीएस करने में लगने वाले बजट के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे करें विदेशी यूनिवर्सिटी का चुनाव

ट्यूशन फीस - 5 साल के लिए
एक साल बाद - वापसी के लिए टिकट
विदेश में रहने का खर्च
भोजन का खर्च
कपड़े या अन्य जरूरी एसेसरीज का खर्च

यदि आप रूस, चीन, कजाकिस्ता, जॉर्जिया, नेपाल, इजिप्ट और बांग्लादेश जैसे देशों से एमबीबीएस करने पर आपकी पढ़ाई से लेकर रहने, खाने और अन्य चीजों को मिलाकर कुल खर्च 25 से 30 लाख के बीच होगा।

मेडिकल सीट्स

इन देशों की तमाम यूनिवर्सिटी में करीब 16,000 मेडिकल सीट्स हैं। हर विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस अलग हो सकती है। ऐसे में स्टूडेंट्स एमबीबीएस के लिए एनएमसी के दिशा-निर्देशों को अच्छे से पढ़ व समझ लें। क्योंकि ये कार्यक्रम 54 महीने की अवधि के गैर-अनुपालन की वजह से भारत में मान्य नहीं हैं। आपका MBBS NMC निर्देशानुसार कम से कम 60 महीने का होना चाहिए।

ऐसे शॉर्टलिस्ट करें यूनिवर्सिटी

विदेश यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले आप पिछले 3 सालों की कटऑफ और विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस आदि देख सकते हैं। इसके साथ ही भारत के प्राइवेट यूनिवर्सिटी और डीम्ड यूनिवर्सिटी आदि की भी फीस देख सकते हैं। फिर आप अपने बजट, रैंक और ग्रेड के हिसाब से यूनिवर्सिटी चुन सकते हैं।

यूनिवर्सिटीज की ट्यूशन फीस का ऐसे करें भुगतान

फीस का भुगतान सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में करना चाहिए। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए किसी एजेंट का सहारा न लें। क्योंकि इससे आप धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। आपकी फीस, हॉस्टल और आगमन का शुल्क बंटा होना चाहिए। अन्य सेवाओं के लिए उस देश में पहुंचने के बाद भुगतान करें। वहीं यूनिवर्सिटी द्वारा दिया गया बैंक अकाउंट आपको मिलता है। ऐसे में फीस सीधे उसी अकाउंट में भेजे।

बता दें कि रूस में 2 तरीकों से वार्षिक ट्यूशन फीस विश्वविद्यालय 2 पार्टी और 3 पार्टी अनुबंधों के तहत ली जाती है। 2 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी प्रवेश पत्र के मुताबिक ट्यूशन फीस अपने अकाउंट में जमा करवाता है। वहीं 3 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी एजेंट के जरिए ट्यूशन फीस वसूलती है।

पहले साल का बजट

ऐसे में अगर आप भी विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करने का मन बना रहे हैं, तो पहले साल के खर्चों का बजट जैसे छात्रावास खर्च, आगमन के बाद की सेवाएं, ट्यूशन फीस, हवाई टिकट, वीजा, भारतीय भोजन पैकेज (अगर कोई हो), परामर्श शुल्क कोचिंग आदि तैयार रखें। पहले साल में आपका खर्च 8-10 लाख के बीच आता है। वहीं अगर कोई स्टूडेंट जॉर्जिया से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है, तो पहले साल में 10-12 लाख रुपए की जरूरत होगी।

जरूरी टिप्स

- विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस करने से पहले अपना बजट योजना अच्छे से तैयार कर लें। वहीं अकादमिक सत्र शुरू होने के पहले अप्लाई करें।
- रूस और जॉर्जिया की यूनिवर्सिटी में अक्तूबर महीने में आवेदन हो जाना चाहिए। वरना अगले साल के एमबीबीएस सीट दाखिला सत्र के लिए ट्रांसफर कर दिया जाएगा।
- एजेंट द्वारा एमबीबीएस सीट बुक करने के दौरान कभी भी 3 पार्टी समझौते पर हस्ताक्षर न करें। बल्कि सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में फीस जमा करें।
- विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज में जल्दी सीटें बुक हो जाती हैं, इसलिए आवेदन में देरी न करें।

पायलट बन चमकाएं कॅरियर

वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है। ऐसे में आप इस फील्ड में कॅरियर बनाकर अपने भविष्य को एक नई दिशा दे सकते हैं।

अक्सर आसमान में उड़ते हवाई जहाज को देखकर लोगों के मन में आसमान मापने का सपना होता है। अधिकतर लोग पायलट बनकर आसमान में ऊंची उड़ान भरने का सपना देखते हैं। हालांकि आज के समय में कॅरियर के लिहाज से युवाओं के पास कई तरह के ऑप्शन होते हैं। जिसमें वह डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर आगे बढ़ सकते हैं। तो वहीं कई युवा ऐसे में हैं, जो पायलट बनने का ख्वाब देखते हैं। अगर आपका लक्ष्य क्लियर होता है, तो आपको सिर्फ इस ओर बढ़ने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी पायलट बनकर अपना भविष्य चमकाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फील्ड में बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है।

ऐसे करें पायलट बनने की तैयारी

पायलट बनने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्य के साथ कम से कम 50 फीसदी अंको से पास होना चाहिए। जिसके बाद आपको किसी एविएशन संस्थान में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा। फिर आपको इंटरव्यू और मेडिकल टेस्ट में पास होना होता है। सभी प्रोसेस में सफल होने के बाद संस्थान में एडमिशन मिलता है। जहां पर आपको प्लेन से जुड़ी बारीकियां सिखाने के साथ प्लेन उड़ाने की पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी।

एयरफोर्स में बनें पायलट

अगर आप इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने का ख्वाब देख रहे हैं, तो आपको 12वीं पास करने के बाद एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम एग्जाम और यूपीएससी एनडीए एग्जाम क्लियर करना होगा। जिसके बाद इंडियन एयरफोर्स कैंडिडेट्स को ट्रेनिंग देती है। वहीं इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने के लिए आप कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज एग्जाम भी दे सकते हैं। हालांकि इस एग्जाम के लिए आपको साइंस स्ट्रीम से 12वीं या फिर बीई/बीटेक की डिग्री होनी चाहिए।

कमर्शियल पायलट

बता दें कि 12वीं की पढ़ाई के बाद आप एविएशन संस्थान से ट्रेनिंग लेकर बतौर कॉमर्शियल पायलट अपना कॅरियर बना सकते हैं। इसके लिए ट्रेनिंग पीरियड 18-24 महीने का होता है। फिर कमर्शियल पायलट के लिए आपको रिटेन एग्जाम और फिटनेस टेस्ट देना होता है। इन दोनों चीजों को क्लीयर करने के बाद आपको कमर्शियल पायलट बनने की योग्यता हासिल हो जाती है।

भोपाल पुलिस ने महिंद्रा एंड महिंद्रा के नकली पार्ट्स बेचने वाले तीन अभियुक्त को रंगे हाथो पकड़ा

रणजीत टाइम्स

भोपाल- महिंद्रा एंड महिंद्रा की अधिकृत टीम के द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर मध्य प्रदेश के भोपाल पुलिस ने महाराणा प्रताप नगर इलाके में 3 स्थान पर छापेमारी की। भोपाल पुलिस के पुलिस उपायुक्त, श्री आशीष सिंह के आदेश पर कार्रवाई करते हुए, एमपी नगर पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक श्री कुलदीप खरे की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। छापेमारी के दौरान, नकली महिंद्रा एंड महिंद्रा के पार्ट्स, फिल्टर्स आदि जप्त किये गए. छापेमारी के दौरान अल्फा मोटर्स से, सतीश कौशल, उम्र - 32 वर्ष, न्यू काका ऑटो पार्ट्स से, नरेश शिवानी, उम्र - 54 वर्ष व् पैराडाइज मोटर्स से, आदिल, उम्र - 24 वर्ष के रूप में पहचाने गए आरोपी को नकली महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्पेयर पार्ट्स मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एफआईआर संख्या 0312/2025 के तहत मामला दर्ज किया है। कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 63 के तहत आरोप लगाया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

आत्मा की जागृति के लिए ध्यान में स्थित होना ही एकमात्र साधन हैं

योग के संबंध में कहा जा सकता है कि योग स्थूलता से सूक्ष्मता की ओर जाना अर्थात बाह्य से अंतर्मुख होना है। योग प्रक्रिया में यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार के पांच बहिरंग साधन हैं और धारणा, ध्यान, समाधि अंतरंग साधन हैं। योग का वास्तविक अर्थ है हमारी आंतरिक शक्ति का परमात्मा की प्रेम की शक्ति से एकरूप होना। समग्र याने इन्टीग्रेटेड हुए बिना ध्यान की हर पद्धति अधूरी है। स्वयं का साक्षात्कार किए बिना परम शक्ति को अनुभव नहीं किया जा सकता। सहजयोग में यह कुंडलिनी जागरण से आसान हो जाता है।

आत्मा की जागृति के लिए ध्यान में स्थित होना ही एकमात्र साधन है

ध्यान प्रक्रिया एक व्यक्तिगत आंतरिक प्रक्रिया होती है। जहां आप नितांत अकेले होते हैं। जब स्थूल गौण होने लगता है व सूक्ष्म की जागृति होती है। निर्विचारिता का प्रादुर्भाव होता है व हम भूत और भविष्य को छोड़कर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। इस स्थिति को श्री माताजी ने अत्यंत ही सुंदर शब्दों में व्यक्त किया है कि, "सर्वप्रथम ध्यान है दूसरे धारणा फिर समाधि। साधना जब आपमें जागृत होती है तो आप अपना चित्त अपने इष्ट पर डालते हैं - यह ध्यान है। आपने निरंतर अपना चित्त अपने इष्ट देवता पर रखना है, तब आपमें वह स्थिति विकसित होती है जो धारणा कहलाती है। जिसमें आप के चित्त का एकीकरण इष्ट देवता के साथ हो जाता है। यह स्थिति परिपक्व होने के पश्चात तीसरी अवस्था समाधि का उदय होता है। (मुंबई, 19/1/ 1984) नियमित ध्यान धारणा द्वारा जब पांचों तत्वों का जय हो जाता है तब फिर योगी के लिए ना रोग है ना जरा है ना दुख है क्योंकि उसने वह स्थिति पा ली है जो योग से प्रकट हुई है। योग का पहला फल यही होता है शरीर हल्का हो जाता है, आरोग्य रहता है, विषयों की लालसा मिट जाती है, कांति बढ़ जाती है, स्वर मधुर हो जाता है, गंध शुद्ध हो जाता है तथा उत्सर्जन के कार्यों में क्षीणता आती है। इसके पश्चात् आत्मा के शुद्ध स्वरूप का साक्षात् होता है। व्यक्ति आत्मतत्व से साक्षात् करके सब शोक को पार करता हुआ परम से एकाकार हो जाता है। उसकी कृपा में कृतार्थ हो जाता है। सहजयोग सृष्टि के आनंद को प्राप्त

करने का योग है। प्रतिपल इस आनंद में स्थित रहने के लिए श्री माताजी के समक्ष कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर आप इस राह के राही बन सकते हैं स्वयं को एक अवसर अवश्य प्रदान करें परमात्मा के साम्राज्य का अधिकारी बनने का।कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

दिल्ली में हफ्तेभर सूरज निकालेगा पसीना

बारिश ने तो कह दिया अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों धूप और गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले हफ्तेभर से राजधानी में बारिश लगभग थम गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में अगले एक सप्ताह तक बारिश के आसार नहीं हैं। इस दौरान धूप खिली रहेगी और आसमान साफ रहेगा। हालांकि 27 सितंबर से दक्षिणी पश्चिमी और उत्तर पूर्वी हवाएं चल सकती हैं, जिससे तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है।

मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, आज राजधानी में धूप ने अपना जलवा बिखेर रखा है। आसमान एकदम साफ, बादल नाम की चीज तो सपने में भी नहीं। कल सफदरजंग वेधशाला पर अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री ज्यादा था। वहीं न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से महज 0.1 डिग्री नीचे था।

- **अगले हफ्ते बारिश के आसार नहीं-** आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले एक हफ्ते तक बारिश का नामोनिशान नहीं। 26 सितंबर तक आसमान साफ रहेगा, धूप खिली रहेगी और तापमान 32-36 डिग्री के बीच घूमता नजर आएगा। लेकिन 27 सितंबर से दक्षिण-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हवाओं का आगमन होगा, जो पारे को नीचे धकेल देंगी। आईएमडी की 23 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार, तापमान में गिरावट के साथ हल्की ठंडक का एहसास होगा। दिल्ली-हष्टक्रमें न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास लुढ़क सकता है, जबकि अधिकतम 32 डिग्री तक सिमटेगा।
- **मॉनसून का अलविदा-** मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की विदाई का सिलसिला तेज हो गया है। दिल्ली समेत हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों से यह धीरे-धीरे पीछे हट रहा है। अगले 24 घंटों में और अधिक क्षेत्रों से विदाई संभव है। पूरे देश के संदर्भ में, 1 जून से 17 सितंबर तक का मौसमी वर्षा डेटा +8 प्रतिशत ऊपर रहा—यानी सामान्य से ज्यादा बारिश हुई।

तिहाड़ जेल से नहीं हटेंगी आतंकी मकबूल भट्ट और अफजल गुरू की कब्रें

दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की तिहाड़ जेल से आंतकवादी मकबूल भट्ट और अफजल गुरू की कब्र हटाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कब्रों को हटाने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दोनों ही आतंकवादियों को तिहाड़ जेल में ही फांसी दी गई थी। फांसी दिए जाने के बाद दोनों की कब्रें तिहाड़ जेल में ही बनाई गई थी। तब से दोनों की कब्रें तिहाड़ जेल में ही हैं। इस मामले पर टिप्पणी करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि किसी जनहित याचिका में राहत पाने के लिए आपको संवैधानिक अधिकारों, मौलिक अधिकारों या किसी वैधानिक अधिकार का उल्लंघन होते हुए दिखाना होगा। कोर्ट ने कहा कि जेल परिसर के अंदर दाह संस्कार या दफनाने से किसी कानून या नियम में रोक नहीं है। बता दें कि मकबूल भट्ट और अफजल गुरू की कब्र को हटाने के लिए एक जनहित याचिका दायर की गई थी।

दिल्ली मेट्रो में रील बनाने वालों की खैर नहीं! लगेगा मोटा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो, जो कभी अपनी साफ-सुथरी और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती थी, अब सोशल मीडिया स्टार्स का फेवरेट स्पॉट बन चुकी है। लेकिन अब ये सिलसिला रुकने वाला है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने ट्रेनों में ऐलान शुरू कर दिया है कि रील्स शूट करना, डांस करना या कोई भी सोशल मीडिया कंटेंट बनाना सख्त मना है। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

कानून का डंडा, जुर्माना भी लग सकता है- यह सिर्फ एक चेतावनी नहीं है, बल्कि इसके पीछे कानून का डंडा भी है। हालांकि, मेट्रो रेलवे अधिनियम 2002 में रील बनाने का कोई सीधा जिक्र नहीं है, लेकिन डीएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि मेट्रो परिसर में असुविधा पैदा करने वाले प्रावधानों के तहत ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

मेट्रो में सुनाई देगा अलर्ट

14 सितंबर से शुरू हुई ये मुहिम इस हफ्ते के अंत तक दिल्ली मेट्रो के हर कोने तक पहुंच जाएगी। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होने वाली ये घोषणाएं सीधे-सीधे कहती हैं, रील्स बनाना, डांस वीडियो बनाना या ऐसी कोई गतिविधि सख्ती से प्रतिबंधित है। ये पुरानी चेतावनियों का हिस्सा बनींगी, जो फर्श पर बैठने या कोच में खाना खाने से मना करती हैं।

हेल्थकेयर होराइजन 2.0

कैंसर से 70 मौतें देरी से पहचान के कारण, विशेषज्ञों ने बताई बड़ी वजहें

नई दिल्ली, एजेंसी। विकसित भारत 2047 के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को ध्यान में रखते हुए मेडवेज हेल्थ फाउंडेशन ने दिल्ली में हेल्थकेयर होराइजन 2.0 सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में देश भर के डॉक्टर, पॉलिसी मेकर्स और हेल्थ एक्सपर्ट्स शामिल हुए। सभी विशेषज्ञों ने प्रिवेंटिव केयर, महिलाओं को स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करने और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

एचपीवी वैक्सीन और शुरुआती जांच- सम्मेलन के पहले सेशन में डॉक्टरों ने एचपीवी -वैक्सीन और शुरुआती जांच को महत्वपूर्ण बताया। यथार्थ सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. सुदर्शन डे ने कहा, सर्वाइकल कैंसर को वैक्सीन की मदद से रोका जा सकता है। वहीं, मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स के मेडिकल ऑन्कोलॉजी के हेड डॉ. अनिल कुमार धर ने ष्टक्रञ्ज-ष्टद्गद्यद्य थेरेपी में भारत की प्रगति पर बात की। वीएमएमसी और सफदरजंग हॉस्पिटल में कैंसर सर्जरी के प्रोफेसर और हेड डॉ. राकेश कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि सही लाइफस्टाइल और रोकथाम से कैंसर को हराया जा सकता है।

ट्रंप से बात के बाद बोलीं उर्सुला- चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटेगा, सदस्यों को मानना ही होगा

न्यूयार्क, एजेंसी। 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ भी बातचीत की। इस वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी उस बात को फिर दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र कभी अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सका। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध रोके और संयुक्त राष्ट्र ने मेरी कोई मदद नहीं की। मुझे कभी फोन तक नहीं किया गया... किसी दिन यूएन वही करेगा जो मैं कर रहा हूं।

संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की: उन्होंने कहा, अगर संयुक्त राष्ट्र वाकई अपना काम कर रहा है, तो हमें कोई युद्ध नहीं करना चाहिए... आपके पास एक बेहतरीन अवधारणा हो सकती है, लेकिन अगर आपके पास सही लोग नहीं हैं तो निर्णय नहीं होते। हमने इन सभी युद्धों को (समाधान किया) है। संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की... उन्होंने कुछ नहीं किया, जबकि इन समस्याओं का समाधान उन्हें (यूएन) को करना चाहिए।

चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला, ईयू सदस्यों को प्रतिबंधों पर सहमत होना होगा

रूस पर सख्त कार्रवाई और टैरिफ के मुद्दे पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं... हमने रूस से गैस की आपूर्ति में पहले ही भारी कटौती कर दी है... हम यूरोपीय संघ को आने वाली तेल आपूर्ति पर टैरिफ लगाना चाहते हैं... हम इससे पहले ही बाहर निकलना चाहते हैं। साल के अंत तक, हमने चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला कर लिया है। अब हमारे पास प्रतिबंधों का प्रस्ताव है। सदस्य देशों को इस पर सहमत होना होगा।

इटली की पीएम मेलोनी बोलीं- जंग खत्म कराने में भारत अहम भूमिका निभा सकता है

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि भारत दुनिया में चल रहे संघर्षों को सुलझाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मोदी से वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत की, जिसमें यूक्रेन युद्ध और भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने निवेश, रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।

इटली की पीएम ने फिलिस्तीन मुद्दे पर भी रुख साफ किया और कहा कि उनका देश केवल तभी फिलिस्तीन को मान्यता देगा जब हमास सरकार में शामिल न हो और सभी इजराइली बंधक रिहा किए जाएं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव हमास पर होना चाहिए, न कि इजराइल पर।

जर्मनी ने भारतीय कामगारों को आने का न्योता दिया

बर्लिन, एजेंसी। भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने सोशल मीडिया और एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा कि जर्मनी भारतीय प्रतिभाओं के लिए बेहतर और स्थिर विकल्प है। एकरमैन ने बताया कि जर्मनी की इमिग्रेशन पॉलिसी अचानक नहीं बदलती, बल्कि यह भरोसेमंद है। उन्होंने इसकी तुलना जर्मन कार से की, जो भरोसमंद, एडवांस होती हैं। एकरमैन ने कहा कि हम कड़ी मेहनत में यकीन करते हैं और अपनी बेस्ट जॉब, बेस्ट लोगों को देना चाहते हैं। एकरमैन ने यह भी कहा कि भारतीय जर्मनी में सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में गिने जाते हैं। उन्होंने बताया कि जहां एक औसत जर्मन कामगार 3,945 यूरो (4.13 लाख रुपए) महीना कमाता है, वहीं भारतीय मूल के पेशेवर औसतन 5,359 यूरो (5.60 लाख रुपए) कमाते हैं। राजदूत ने कहा कि इसका मतलब है भारतीय न सिर्फ मेहनती हैं बल्कि जर्मन समाज और अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान भी देते हैं।

जर्मनी को करीब 3 लाख प्रवासियों की जरूरत

जर्मनी को यह पहल इसलिए भी करनी पड़ रही है क्योंकि वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए 2040 तक हर साल लगभग 2.88 लाख प्रवासियों की जरूरत होगी। इस कमी को पूरा करने के लिए जर्मनी ने 2024 से पेशेवर वीजा की संख्या 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने और भारतीयों के लिए खास मौके दिए जाने की घोषणा की है। पिछले साल जर्मन सरकार ने 2025 में 2 लाख पेशेवर वीजा जारी करने का वादा किया था, जिनमें से 90,000 भारतीयों के लिए तय किए गए। यह संख्या पहले की सीमा 20,000 से कई गुना ज्यादा है। इस समय तकरीबन 1.3 लाख भारतीय पेशेवर जर्मनी में रहकर काम कर रहे हैं और उनकी औसत कमाई स्थानीय कामगारों से कहीं अधिक है।